हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 7 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने के लिए संभाग आयुक्त द्वारा वर्षा पूर्व तैयारियों की समीक्षा

मण्डला। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टर्स से वर्षा पूर्व तैयारियों के अंतर्गत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए अतिवृष्टि या बाढ़ जैसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के बेहतर कार्ययोजना बनायें। बैठक में कलेक्टर्स ने अपने-अपने जिलों में की गई तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने तथा किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान सभी जिलों को बाढ़ आपदा संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हांकन कर उनकी अद्यतन जानकारी संधारित करने, बाढ़ प्रभावित होने वाली नदियों, नालों, तालाबों तथा बड़े बांधों की सूची तैयार करने और उनके सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मानसून पूर्व जल निकासी तंत्र, नालियों, तालाबों एवं तटबंधों की सफाई, डिसिल्टिंग तथा सुदृढ़ीकरण कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बाढ़ नियंत्रण एवं राहत कार्यों से संबंधित नियमावली तथा पूर्व चेतावनी प्रणाली को पूरी तरह सक्रिय और प्रभावी बनाया जाए। बैठक में कहा गया कि प्रत्येक जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर आपदा प्रबंधन कार्ययोजना को अद्यतन किया जाए तथा ऊर्जा, संचार, सड़क और पुलों जैसी आवश्यक सेवाओं की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों की जानकारी संकलित की जाए। बाढ़ संभावित एवं दुर्गम क्षेत्रों में खाद्यान्न, पेयजल, जीवनरक्षक दवाइयों, पशु चिकित्सा सुविधाओं, चारा एवं भूसे की पर्याप्त उपलब्धता की कार्य योजना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को वर्षा जनित महामारी, डायरिया एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए पूर्व तैयारी रखने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए चिकित्सकीय दलों का गठन करने को कहा गया। साथ ही संभावित राहत शिविरों के लिए स्थान चिन्हित कर उनकी सूची तैयार रखने और बचाव कार्यों में उपयोग होने वाली नाव, मोटरबोट, रबर बोट तथा अन्य उपकरणों की उपलब्धता एवं संचालन क्षमता का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त ने सभी जिलों में खोज एवं बचाव दलों के प्रशिक्षण, सिविल डिफेंस इकाइयों की तैयारी तथा 24 घंटे सक्रिय आपदा नियंत्रण केंद्र संचालित करने पर विशेष बल दिया।

रात्रि चौपाल में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

कलेक्टर, एसपी, अधिकारियों ने गांव में बिताई रात

*** ग्राम दाढ़ी में आयोजित हुई रात्रि चौपाल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन की पहुँच को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मवई विकासखंड के ग्राम दाढ़ी में शुक्रवार को रात्रि चौपाल एवं रात्रि विश्राम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव, एसपी राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं, आवश्यक सुझाव प्राप्त किए तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कलेक्टर धोटे एवं पुलिस अधीक्षक रघुवंशी सहित जिला स्तरीय अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच बैठकर इत्मीनान से संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुना और गाँव की समस्याओं के साथ-साथ लोगों की व्यक्तिगत समस्याओं एवं आवश्यकताओं की भी जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने खुलकर अपनी बातें रखीं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं, राजस्व, पेंशन, आवास, पेयजल, सड़क, बिजली, उप स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सीय स्टाफ उपलब्धता, शासकीय स्कूल भवनों के मरम्मत और दुरस्तीकरण और अन्य स्थानीय मुद्दों से अधिकारियों को अवगत कराया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर श्री धोटे एवं अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा ग्रामीणों से विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

कलेक्टर श्री धोटे एवं एसपी श्री रघुवंशी ने आयुष्मान आरोग्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध संसाधनों, दवा वितरण, उपचार सुविधाओं एवं साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

ग्रामीणों के संग बैठकर किया भोजन

कार्यक्रम का सबसे आत्मीय और प्रेरणादायक क्षण उस समय देखने को मिला जब प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया। अधिकारियों और ग्रामीणों ने एक साथ भोजन ग्रहण कर आपसी आत्मीयता, विश्वास और सहभागिता का संदेश दिया।

रात्रि चौपाल के उपरांत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ग्राम दाढ़ी में ही खुले आसमान के नीचे रात्रि विश्राम किया। अधिकारियों ने ग्रामीण परिवेश में समय बिताते हुए गांव की वास्तविक परिस्थितियों को नजदीक से समझने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने भी अधिकारियों के बीच पहुंचने और गांव में रात्रि विश्राम करने की पहल का स्वागत किया।

अगले दिन प्रातः अधिकारियों ने ग्रामवासियों के साथ श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में भाग लिया। गांव के सार्वजनिक स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

ग्राम दाढ़ी में स्वच्छता व्यवस्था एवं ग्रामीणों की जागरूकता को देखकर अधिकारी विशेष रूप से प्रभावित हुए। उन्होंने गांव में स्वच्छता के बेहतर स्तर की सराहना करते हुए ग्रामीणों को बधाई दी और कहा कि सामूहिक प्रयासों से गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जा सकता है। अधिकारियों ने ग्रामीणों की सहभागिता और स्वच्छ वातावरण को गांव की बड़ी उपलब्धि बताया।

युवाओं संग खेला वॉलीबॉल

शनिवार की सुबह अधिकारियों ने गांव के युवाओं के साथ वॉलीबॉल खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। खेल गतिविधि के माध्यम से अधिकारियों और युवाओं के बीच बेहतर संवाद स्थापित हुआ। युवाओं ने भी इस अवसर का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और प्रशासन की इस पहल की सराहना की।

रात्रि विश्राम के उपरांत शनिवार सुबह कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ग्राम दाढ़ी स्थित शासकीय छात्रावास से पैदल स्वच्छता जागरूकता यात्रा निकाली। पूरा प्रशासन गांव की गलियों से होते हुए पैदल स्वच्छता स्थल तक पहुंचा। यात्रा के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हाथों में स्वच्छता और नशा मुक्ति का संदेश देती तख्तियाँ थीं, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छ जीवनशैली अपनाने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

यात्रा मार्ग से गुजरते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, महिलाएं एवं बच्चे भी अभियान से जुड़ते गए और स्वच्छता एवं जनजागरूकता के इस प्रयास का हिस्सा बने। इसके बाद अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर गांव के सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की। श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर MY Bharat द्वारा नर्मदा स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत (MY Bharat), मंडला द्वारा नर्मदा स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 40 से 50 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नर्मदा घाट क्षेत्र में स्वच्छता कार्य किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद मंडला के अध्यक्ष विनोद कछवाहा रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए नर्मदा नदी की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा युवाओं से ऐसे जनहितकारी अभियानों में निरंतर सहभागिता का आह्वान किया।

अभियान के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा नर्मदा घाट एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता कार्य किया गया तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को मेरा युवा भारत (MY Bharat) के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी श्री भुवन सिंह सोलंकी ने उपस्थित स्वयंसेवकों को MY Bharat की विभिन्न गतिविधियों, स्वयंसेवी अवसरों एवं युवाओं के लिए उपलब्ध कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को Nation First Challenge से अवगत कराते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित किया। साथ ही अनेक नए युवाओं का MY Bharat पोर्टल पर पंजीकरण भी कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्वैच्छिक सेवा की भावना का विकास करना था। कार्यक्रम में MY Bharat स्वयंसेवकों सहित स्थानीय युवाओं एवं नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही।

मंडला के किसानों को 8 करोड़ के ऋण स्वीकृत

मण्डला। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने कृषि क्षेत्र में वित्तीय समावेशन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को बढ़ावा देने के लिए 6 जून को मंडला जिले की सभी शाखाओं में मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, स्वयं सहायता समूह, कृषि उद्यमी और अन्य हितग्राही शामिल हुए। मेगा क्रेडिट का यह कार्यक्रम क्षेत्रीय प्रबंधक अविनाश कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। नगर पालिका परिषद मंडला के अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री सुजय कुमार, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक देवब्रत पाल, आरसेटी मंडला के निदेशक राजेश रॉय और सेंट्रल बैंक मंडला शाखा प्रमुख निखिल वोहरा सहित बैंक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को मिला नया आयाम

*** जिला मंडला पुलिस का 06 दिवसीय प्रथम चरण प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आगामी सिंहस्थ 2028 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए जिला पुलिस मंडला द्वारा आयोजित 06 दिवसीय सिंहस्थ 2028 प्रथम चरण प्रशिक्षण दिनांक 01 जून 2026 से 06 जून 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण का शुभारंभ उप पुलिस महानिरीक्षक विनीत जैन के कर-कमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, निरीक्षक धर्मेंद्र धुर्वे, रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी, उपनिरीक्षक श्रीचंद मरावी, सूबेदार गेलेंद्र नागेश सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सेवा, सुरक्षा एवं सद्भाव की भावना के साथ सिंहस्थ महापर्व में पुलिस की भूमिका, भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सहायता, यातायात प्रबंधन, संचार समन्वय तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न परिस्थितियों का अभ्यास कराते हुए प्रतिभागियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क एवं त्वरित निर्णय लेने की तकनीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से पुलिस बल को सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने हेतु तैयार किया गया।

प्रशिक्षण की सफलता में सभी प्रशिक्षकों, अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का सराहनीय योगदान रहा। उनके समर्पण, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता के कारण प्रशिक्षण अपने निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया तथा सफल प्रशिक्षण सम्पन्न होने पर प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

विश्व पर्यावरण दिवसः सूर्य कुण्ड धाम में पौधरोपण

*** जनपद स्तरीय आयोजन में शामिल हुए जन प्रतिनिधि।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को जनपद पंचायत मंडला की ग्राम पंचायत सकवाह रामबाग में सूरजकुंड मंदिर के पास फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी प्रफुल्ल मिश्रा ने उपस्थित लोगों को जन्मदिन, शुभ अवसर और पूर्वजों की याद में अधिक से अधिक पौधे लगाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में पीपल, नीम, बरगद जैसे वृक्षों को पवित्र माना गया है और वैज्ञानिक रूप से ये ऑक्सीजन देते हैं, मिट्टी को बांधती हैं तथा भूजल स्तर बनाए रखने में मदद करती हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, जनपद सदस्य श्रीमती अर्चना कछवाहा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जोरावर सिंह, सरपंच रश्मि उइके, सीईओ श्रीमती प्रतिमा शुक्ला, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनुपम दुबे, स्वच्छ भारत मिशन की बीसी रश्मि वर्मा, सचिव शोभाराम रघुवंशी और सहायक सचिव कन्हैया लाल कछवाहा सहित स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

नई स्थानांतरण नीति | 08 जून से शिक्षकों के तबादले होंगे शुरू।

अतिशेष शिक्षकों की समस्या बनी चुनौती

*** प्रक्रिया ऑनलाईन एवं ई ऑफिस आधारित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 20 मई 2026 को मंत्रिपरिषद के अनुमोदन उपरांत नई स्थानांतरण नीति-2026 लागू कर दी गई है। इस बार स्थानांतरण प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन एवं ई-ऑफिस आधारित बनाया गया है। ऑफलाइन आवेदन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है तथा केवल रिक्त पदों को भरने के उद्देश्य से किए जाने वाले चेन ट्रांसफर पर रोक लगाई गई है।

नई नीति में महिला कर्मचारियों, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांग कर्मचारियों, कैंसर, डायलिसिस एवं हृदय शल्यक्रिया जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्ति में एक वर्ष से कम समय शेष रहने वाले कर्मचारियों को विशेष संरक्षण प्रदान किया गया है। शिक्षा जगत के जानकार इस नीति को स्वागत योग्य मान रहे हैं। उनका कहना है कि अब शिक्षक अपनी आवश्यकता एवं पात्रता के आधार पर बिना किसी सिफारिश या दबाव के ऑनलाइन आवेदन कर स्थानांतरण की प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

हालांकि, स्कूल शिक्षा विभाग के सामने एक नई चुनौती भी उभरकर सामने आई है। जिले के कई विद्यालयों में पहले से ही अतिशेष शिक्षकों की संख्या अधिक है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक अतिशेष श्रेणी में आने के बावजूद ऑनलाइन स्थानांतरण के लिए आवेदन नहीं करता है, तो विभाग इस समस्या का समाधान किस प्रकार करेगा, यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षकों की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि नई स्थानांतरण नीति के तहत अतिशेष शिक्षकों के समायोजन और पदस्थापना के लिए शासन क्या स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करता है। फिलहाल नई नीति से जहां पारदर्शिता और सुविधा की उम्मीद जगी है, वहीं अतिशेष शिक्षकों का मुद्दा विभागीय उलझनों को बढ़ाता नजर आ रहा है।

आयुष विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल मंडला मध्यप्रदेश एवं आदर्श चौरसिया महिला मंच एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयुष विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन श्रीराम वार्ड कबीर चौक में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एकता बालकों ने उपस्थित सभी क्षेत्र वासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं आवश्यकता नुसार सभी को निशुल्क दवा वितरित की गई। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी आश्रम से मीना चौरसिया मुख्य अतिथि,तथा वन स्टॉप सेंटर से प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले विशिष्ट अतिथि रही। श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ज्यादा संगठन के उद्देश्यों के बारे में बताया गया विशिष्ठ अतिथि सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा वन स्टॉप सेंटर से प्रदत्त समस्त सुविधाएं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विश्व पर्यावरण दिवस पर पुत्री शाला प्रागण श्रीराम वार्ड में औषधि युक्त पौधे आरोपित किए गए। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आयुष अधिकारी एकता वाल्को वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शिखा श्रीवास्तव, WHRRC प्रदेश मीडिया पर्सन तथा चौरसिया महासभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ममता चौरसिया, WHRRC और आदर्श महिला मंच की एक्टिव मेंबर जिला अध्यक्ष श्रीमती रिंकू चौरसिया, किरण मोदी अनुपमा चौरसिया, वर्षा चौरसिया, संजू चौरसिया शालिनी चौरसिया, नीलिमा चौरसिया,राखी चौरसिया, ज्योत्सना चौरसिया, संगीता चौरसिया, सरिता महान विनीत दुबे, संगीता गुप्ता, सारिका मिश्रा पुत्री शाला के प्रिंसिपल जयति शुक्ला, शैलजा उपाध्याय,वरिष्ठ समाजसेवी राधा गुप्ता, ब्रह्माकुमारी आश्रम से मीना बहन जी अपनी आश्रम की बहनों के साथ चिकित्सालय स्टाफ- डॉ. एकता वाल्को (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी) दीपक कुमार पाठक (औषधि संयोजक) श्रीमती रामप्यारी यादव, बलराम नंदा रही एवं वन स्टाफ केंद्र की पूरी टीम उपस्थित रही आभार ममता चौरसिया के द्वारा व्यक्त किया गया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह किया गया है।

खबर संक्षेप

मृदा परीक्षण प्रयोग शाला में लटक रहा ताला, लाखों की लागत से बना हुआ भवन बना शोभा की सुपारी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय सांईखेड़ा क्षेत्र के किसानों जिस प्रकार से अनेक परेशानियों से जूझते हुये देखे जा रहे है उनकी समस्याओं के निदान को लेकर आज तक किसी भी नेता द्वारा ठोस प्रयास नही किये गये है, जिसके चलते आज स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही कि लगातार मांग किये जाने के बाद भी यहां पर कृषि उपज मंडी की शुरूआत नही हो पाई है, कहने के लिये तो मंडी का निर्माण हो चुका है। मगर वह मात्र शोभा की सुपारी बनकर रहे गये है। जिसके चलते लाखों की लगात से मंडी में किया गया निर्माण टूटते हुये दिखाई देने लगा है, वही दूसरी ओर मंडी की शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से भी नही चूक पा रही है, इस प्रकार से क्षेत्र की किसानों की मंडी में खरीदी नही होने के कारण लगभग 25 किलों मीटर द्वारा गाडरवारा या फिर अन्य दूसरी जगह की मंडियों में अपना अनाज बेचने के लिये जाना पड़ रहा है, इस स्थिति में किसानों को अनाज से मिलने वाली आय का काफी भाग तो अनाज ले जाने के भांडे में ही चला जाता है, वही दूसरी ओर वर्ष 2017 में म.प्र. शासन द्वारा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से साईखेडा में मृदा परीक्षण प्रयोग शाला भवन का निर्माण कराते हुये लाखों की लागत से बने हुये इस भवन का 14 अक्टूबर 2017 को लोकापर्ण तो कर दिया गया है, मगर उस दिन के बाद आज तक न तो इस भवन का ताला खुल पाया है और न ही क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिल पाया है, जिसके चलते जहां लाखों की लगात से बना हुआ यह भवन खंडहर की स्थिति में पहुंचने से भी नही चूक पा रहा है, यदि इस प्रयोग शाला का शुभारंभ हो जाता तो निश्चित ही क्षेत्र के किसान अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण कराकर मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी ले सकते और अपनी जमीन से फसल की उपज बढ़ाने में सफल हो जाते, मगर लाखों की लागत से बना हुआ यह भवन मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है, मगर इस भवन के लोकापर्ण के बाद आज तक इसमें किसी भी प्रकार के न तो उपकरण स्थापित किये गये है और न ही इसे चालू कराने की ओर ध्यान दिया गया है, जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा इस प्रयोग शाला को शीघ्रता के साथ शुभारंभ करने की मांग उठाई जाने लगी है।

योजनाओं के नाम पर एन.जी.ओ भर रहे अपनी जेब, लोगों की समस्याएं जहां की तहां..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। गैर सरकारी संगठनों का अब एक मात्र उद्देश्य पैसा कमाना हो गया है और सरकार भी इन गैर सरकारी संगठनों को दिल खोलकर धन मुहैया कराती है। लेकिन सरकार द्वारा जिन उद्देश्यों के लिए इन संगठनों को पैसा दिया जाता है, वह उन उद्देश्यो को भूलकर अपनी जेबो को भरने में लग जातें है। इन गैर सरकारी संगठन व स्वयं सेवी संस्थाओ को विभागों की तरफ से भारी भरकम राशि अनुदान के रूप में सामाजिक कार्यो के क्रियान्वयन के लिए दी जाती है, लेकिन इस राशि का उपयोग सही दिशा में नही हो पाता है, इन संगठनों व संस्थाओं द्वारा सारे काम कागजों पर चलते हुए देखे जाते है, इनमें कई संगठन और संस्थाओ की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह सिर्फ कागजो पर चलते हुए ही दिखाई रही है। इस बात से सरकारी विभाग के अधिकारी भी इंकार नही कर रहे? मगर क्षेत्र में विभिन्न विभाग की योजनाओं के नाम पर दर्जनों एन जी ओ पैसा कमा रहे है? लेकिन विभाग इन पर लगाम नही लगा पा रहा है, इसके चलते योजनाओं का लाभ सही हितग्रहियों को नही मिल पा रहा है,आदिम जाति कल्याण विभाग में रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, शिक्षा व विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गैर सरकारी व स्वयंसेवी संगठनों को अनुदान

हर साल पौधारोपण होने के बाद भी आखिर कहां गायब हो रही है हरियाली की चुनरी मात्र दिखावा वाली प्रवृति के बीच पर्यावरण की रक्षा हो पाना क्या संभव हो पायेगा...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार हो रही पर्यावरण के साथ खिलवाड़ तथा पौधा रोपण के नाम पर नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा अपनाई जाने वाली औपचारिकता का परिणाम है कि जहां अब शुद्ध हवा मिलना मुश्किल होने लगा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये कुछ साल पहले कोरोना काल की दूसरी लहर के दौरान सैकड़ो लोगों की जान सिर्फ आक्सीजन के आभाव में जाने से नही चूक पाई है..? इस तरह यदि पर्यावरण के साथ होती रही खिलवाड़ तो निश्चित तौर से हर व्यक्ति को शुद्ध वायु मिलना मुश्किल हो जावेगा। यह बात अलग है कि बीते हुये अप्रैम मई माह में जिस तरह सूरज की तपन ने जो रूप दिखा गया है उसके चलते बनी हुई स्थिति के चलते लोगों को पेड़ लगाने को लेकर जागरूकता देखने मिली है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि पेड़ लगाने के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाने से हम पर्यावरण की रक्षा करने में कभी सफल नही हो पायेगे..? अक्सर देखा जाता है कि अनेक आयोजनों के दौरान नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपित करते हुये अखबारों की सुर्खिया बनने से नही चूक पाते है। मगर शायद ही किसी नेता या फिर अधिकारी द्वारा रोपियत किये गये पौधा की वापिस खबर लेने का प्रयास किया गया कि आखिरकार उनके द्वारा रौपा गया पौधा सुरक्षित बचा भी है कि नही..? यदि प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये पांच वर्षो के दौरान जहां हर पंचायत द्वारा वृक्षारोपण के नाम पर पंचायतों में लाखों रूपया शासकीय राशि को खर्च करते हुये पौधा रोपित किये गये थें। मगर उस पौधा रोपण की जांच कराई जावे तो शायद ही किसी पंचायत में मुश्किल से पांच प्रतिशत पौधा सुरक्षित मिल पायेगे? इसी प्रकार का हाल अन्य शासकीय कार्यालयों से लेकर संस्थाओं का देखने मिलता है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि प्रदेश की सरकार से लेकर शासकीय अधिकारियों द्वारा लगातार पौधा रोपण पर बल देते हुये बारिश का सीजन आने पर इस मुहिम को जोर शोर से चालू किया जाता है। मगर यह मुहिम मात्र रोपित करने तक ही सीमित होने के कारण आज तक प्रकृति हरियाली की चुनरी नही ओड पाई है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये तीन साल पहले जहां नगर में कुछ समाजसेवियों द्वारा शहर की सड़क किनारे लगभग 15 हजार पौधा रोपने की योजना बनाने के लिये एक बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें अनेक समाज सेवी व नेतागण मौजूद रहे थें। वही दूसरी ओर जिला स्तर पर भी संपूर्ण जिले में हजारों पेड़ लगाने की तैयारी की गई थी। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी की जा रही तैयारियों से यह अनुमान लगाने से नही चूक रहा है कि बारिश का सीजन शुरू होते ही निश्चित तौर से जहां तहां नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपण तो किया जावेगा। मगर उस समय भी यह सबाल यह पैदा हो रहा था कि उन पौधों को रोपने के बाद उनको सुरक्षित पेड़ बनाने तक की जिम्मेदारी ली जावेगी कि नही..? मगर उस बैठक के बाद वह पौधे कहा रोपे गये तीन साल से अधिक का समय बीते जाने के बाद आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है...? वही पौधा रोपने के बाद उन्हें नजर अंदाज करने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये दो वर्षो से देखने मिल रहा है कि नगर के रेल्वे स्टेशन से लेकर चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां हजारों की संख्या मे पौधा रोपण करते हुये जहां उन्हें सुन्दर ट्री गार्ड से सजाया तो गया था। मगर उनका उचित रख रखाब नही होने के कारण ट्री गार्डो के अंदर रोपित किये गये पौधा जहां सूख जाने के बाद गायब नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर जिस जगह हरियाते हुये पौधा होना चाहिये थें उनके स्थान पर राजश्री गुटखा के पाउच या फिर अन्य प्रकार की कचरा दिखाई देने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि कही ऐसा तो नही कि यह ट्री गार्ड इस तरह कचरे की सुरक्षा के लिये स्थापित किये गये हो? इस तरह बीते हुये दो वर्षो से गाडरवारा से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर किये गये पौधा रोपण की सच्चाई का हाल इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां रख रखाव व पानी नही मिल पाने के कारण ट्री गार्डो के अंदर लगे हुये सैकड़ो पौधा सूख चुके है और यह ट्री गार्ड जहां सड़को पर बिखर जाने के कारण यातायात व्यवस्था में खतरा बनने से नही चूक रहे है? इस तरह से मात्र दिखावे के लिये किये जाने वाला पौधा रोपण से पर्यावरण की सुरक्षा हो पाना जहां असंभव ही माना जा सकता है? यदि पर्यावरण की रक्षा को लेकर पौधा रोपण की मुहिम शुरू करनी है तो हर नेता से लेकर अधिकारी व आम जनता को पौधा रोपित करने से अधिक महत्वपूर्ण बात उसकी सुरक्षा की होती है, जब तक रोपित किये गये पौधा की सुरक्षा नही होगी तो वह मात्र रोपित तक ही सीमित होकर रहने से नही चूक पाता है। क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा रोपित किया गया पौधा नही कर सकता है उसे पेड़ की जरूरत होती है और रोपा गया पौधा पेड़ बनकर तैयार हो जावेगा तभी वह हमे आक्सीजन या फिर फल देने में सक्षम होगा। इस समय जिस प्रकार से प्रशासन के अधिकारियों से लेकर समाजसेवियों द्वारा आने वाले बारिश के दिनों में बड़े स्तर से पौधा रोपण की तैयारी की जा रही है बहुत अच्छी बात है। मगर नये पौधा रोपने के जगह यदि हमारे द्वारा जहां तहां सूखते हुये पेड़ो की सुरक्षा करने में सफलता पा ली जावे तो यह एक अच्छी पहल मानी जा सकती है।

पर्यावरण की रक्षा व ईंधन बचाने अब नपा की सड़कों पर कचरा संग्रहण के लिये ई रिक्शा दौडेंगे

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। देश के प्रधान मंत्री द्वारा जिस तरह ईंधन की बचत करने के लिये आमजन से अपील की गई है उसका असर दिखाई देना शुरू हो गया है। इस तरह पर्यावरण की रक्षा तथा ईंधन बचाने के लिये नगर पालिका परिषण द्वारा भी लोगों के घरों से कचरा संग्रहण करने के लिये ई रिक्सा खरीदे गये है जिनका लोकापर्ण बीते हुये दिवस क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा करते हुये नपा को सौपा गया। इस तरह नगर पालिका में पांच बैटरी से चलने वाले ई-कचरा संग्रहण वाहनों के आने से निश्चित तौर से लोगों को ईधन बचाने व पर्यावरण की रक्षा के लिये एक जागरूकता का कार्य करेगे। ज्ञात हो कि केन्द्र सरकार की ईंधन बचाने की मंशा के अनुरूप म.प्र. सरकार के आदेश के परिपालन में नपा अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा के निर्देशन में नगर पालिका में बैटरी से चलने वाले पांच ई-कचरा संग्रहण वाहन क्रय किये गये हैं। इन ऑटो से नगर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण किया जाएगा। बीते हुये दिवस शहर के कन्या नवीन स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में पधारे म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने उक्त ई-कचरा संग्रहण वाहनों का फीता काटकर लोकार्पण किया। इन वाहनों के संचालन से काफी मात्रा में ईधन की बचत होगी और नगर की संकरी गलियों में भी यह वाहन आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख, नपा अध्यक्ष एवं पार्षदगणों सहित एई सत्यम जाट, जयंत ब्राउन सहित नपा कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा नेतागण मौजूद रहे।

विधायक पटैल ने एक पेड माँ के नाम के तहत सिहोरा मंडी में रोपित किया पौधा

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण सिहोरा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। इस अवसर पर विधायक पटेल ने कहा कि यदि धरती पर पैड रहेगे तभी इस पर जीवन बच पायेगा। क्योंकि जिस तरह लोगों द्वारा पेड़ो पर कुल्हाडी चलाई जा रही है वही चिंता जनक है। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के बीच यदि समय रहते हुये हमारे द्वारा पेड़ों को स्थापित करने की ओर ध्यान नही दिया गया तो आने वाला समय भयानक होगा और मानव जीवन का इस धरती पर शुद्व हवा प्राप्त करना मुश्किल हो जावेगा। हर नागरिक को पौधरोपण करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण कर धरती को सुरक्षित एवं समृद्ध रख सकें। पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी, प्रकृति बचेगी तो जीव सृष्टि भी बचेगी। हम सभी को पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के लिए अधिकाधिक पौधे लगाने का संकल्प लें। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी मिलकर एक पेड़ माँ के नाम अभियान को सफल बनाने के लिए पौधारोपण करें और पर्यावरण को संरक्षित करें। यह जरूरी नही है कि पेड़ हम इस तरह शासकीय जगहों पर ही लगाये अपने खेतों की मेड़ो पर भी पौधा रोपण कर सकते है। पेड़ हम शुद्व हवा के साथ साथ छाव व फल भी देते है। आज बाजार में देखा जावे तो जिस तरह हम मनमाने दामों पर फल खरीदकर खा रहे है उन्हें पकाने के लिये किस तरह की दबाईयों का उपयोग होता है इस सच्चाई हम पता ही नही रहती है। यदि हम अपने खेतों पर पेड़ लगावेग और जब वह फल देगे तो निश्चित ही शुद्व होगे।

विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर आयोजित की गई जल संगोष्ठी सहित वृक्षारोपण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला वि.ख. चीचली के अंतर्गत नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी के तत्वावधान में सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जल स्रोत संरक्षण जल गोष्ठी, वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक पूजन कर वृक्षारोपण करने के साथ साथ उनकी रक्षा के लिये शपथ ली गई। वही इस मौके पर जल स्रोत पूजन के पश्चात वृक्ष पूजन कर जल संगोष्ठी आयोजित बागेश्वरी परिषद् द्वारा संपन्न हुई। इस अवसर पर बागेश्वरी साहित्य परिषद् द्वारा कवि मुख्तयार ने एक पेड़ मां के नाम पर कविता प्रस्तुत की गई। वही कवि दीपक गुप्ता ने मैथलीशरण गुप्त की रचना का पाठ किया गया। वही वागेश्वरी साहित्य परि. अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा ने वर्तमान समय पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर बताया कि हमारे पूर्वजों ने पेड़ पौधों से किस तरह का नाता रहा इस पर काव्य रचना प्रस्तुत करते हुये पर्यावरण की रक्षा का अनोखा संदेश दिया। युवा कवि आशीष गोलू राय ने मजाकिया लहजे में पेड़ का महत्व बताते हुए कहा कि एक समय चिता के लिए लकड़ियां भी नहीं मिलेगी तथा तुलसी साहित्य अकादमी के जिला अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने लघुकथा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की बात रखी। वही प्रस्फुटन समिति से कवि कृष्ण कुमार कुशवाहा ने पर्यावरण संरक्षण पर सुंदर लोकगीत गाकर सब की वाहवाही बटोरी। काव्य पाठ से उपस्थित जनों को विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए काव्य रचनाएं प्रस्तुत की वही वि.ख. समन्वयक स्मिता दाण्डे द्वारा पेड़, पानी और प्लास्टिक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। वही कार्यक्रम समन्वयक रामेश्वर वर्मा ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर बताया कि अब हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर समाज को जागरूक करना होगा, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जैविक कृषि को बढ़ावा देने के साथ प्लास्टिक पन्नी, पन्नी निर्मित डिस्पोजल आदि का उपयोग बंद करके भी हम पर्यावरण को स्वच्छ रख सकते हैं ,कुलदीप कौरव ने कहां कि वर्तमान समय में हम ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक बन सकते हैं। इस मौके पर कार्यक्रम में पधारे हुये अधिकारियों व आम जन के प्रति आभार व्यक्त हरदौल जन सेवा समिति अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत ने ऊमर नदी सर्वेक्षण और ऊमर के वृक्ष की जड़ो से नदी प्रवाहित होने को बताते हुए आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक स्मिता दांण्डे, भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी से कार्यक्रम समन्वयक कुलदीप कौरव, हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, सचिव रामेश्वर वर्मा , ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों से कृष्ण कुमार कुशवाहा, परामर्श दाता अभिषेक कौरव, राधा कीर, स्वप्निल बड़ारया, शुभम लोधी, गुलाब पटेल, रामकुमार वर्मा, प्रशांत अहिरवार, प्रभात कहार,चंद्रकांत गढ़वाल, रीतेश मेहरा, शक्ति राजपूत,गोलू भैया, बिटिया रिद्धी, सिद्धी व सदस्यगण मौजूद रहे।

जनशिक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा छोटा स्कूल में एमआईएस पोर्टल प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। विकासखंड चीचली के जन शिक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा छोटा में बीते हुये दिवस जन शिक्षा केंद्र अधीनस्थ शासकीय शालाओं के प्रधान पाठको की नवीन शिक्षण सत्र तथा उल्लास नवभारत साक्षरता की बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनशिक्षक संजय सोनी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्कूल एमआईएस पोर्टल का बिंदुवार प्रशिक्षण देकर नामांकन तथा शाला भवन की अधोसंरचना से संबंधित जानकारी समय सीमा में संबंधित पोर्टल पर पूर्ण करने के सुझाव दिए। वही मार्च में संपादित असाक्षरों की परीक्षा के रिजल्ट की पोर्टल फीडिंग समीक्षा, बसाहटों में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, अक्षर साथियों के पंजीयन, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जनशिक्षा केंद्र प्रभारी सतेंद्र सिंह कौरव ने कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं में नवीन प्रवेश, नामांकन, मैपिंग , यू डाइस पोर्टल पर प्रोग्रेशन, पोर्टल पर निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, आईगाट कर्मयोगी प्रशिक्षण, अपार आई डी निर्माण, खाद्यान्न उठाव, निर्माण कार्य सहित , स्कूल चले हम अभियान द्वितीय चरण से संबंधित सभी बिंदुओं को समाहित करते हुए 16 जून को प्रत्येक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव भव्यता से आयोजित करने के सुझाव दिए। इस बैठक सह प्रशिक्षण मे उक्त बैठक में अविनाश गौंड, अशोक ठाकुर, बाबू लाल मेहरा, रंजना जोगी, दीपक मेहरा, राघवेंद्र राजपूत, राकेश मेश्राम, कमलेश गौंड, प्रवीण शर्मा, बसंत परतेती, ललित कटरे, स्वाति ठाकुर, मिश्री लाल मेहरा, अजय पाराशर, ज्ञानेश्वर मेहरा, महेश ठाकुर, सुनील पिपरोनिया, अरविंद सिंह पटेल, राधे श्याम कौरव, रामदास श्रीवास, सत्यम सोनी, शिवराज सिंह ठाकुर, माधव सिंह कहार सहित समस्त संस्था प्रधान पाठको की उपस्थिति रही। इस बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा के निर्देशन तथा जिला परियोजना नरसिंहपुर मनीष चौकसे विकासखंड शिक्षा अधिकारी चीचली वीरेंद्र राजपूत एवं विकास खंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटेल के मार्गदर्शन में हुआ।

श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में व्याहुला महोत्सव आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में आज 7 जून रविवार को श्री राधाकृष्ण जी का व्याहुला (विवाह) महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस संबंध में पुजारी कमलेश भार्गव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस अवसर पर गुरु परम्परा केअधिकारी आचार्य यादवेन्द्र वल्लभ गोस्वामी श्रीधाम वृंदावन से पधारकर अपने सान्निध्य में महोत्सव को संपन्न कराएंगे।महोत्सव के दौरान जबलपुर से आई रसिक मंडली द्वारा विवाह के विभिन्न संस्कारों जैसे हल्दी, मेहंदी एवं फेरे आदि पर आधारित पदगान प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।कार्यक्रम के अनुसार रविवार को दोपहर 4 बजे से पदगान एवं विवाह उत्सव प्रारंभ होगा एवं शाम 7.30 बजे महाआरती संपन्न होगी। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

क्षेत्र में खुलेआम दौड़ रहे ओवर लोडिंग कार्यवाही मात्र दो पाहिया वाहनों तक की सीमिति क्यो?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय क्षेत्र की पुलिस द्वारा आये दिन दो पाहिया वाहनों के खिलाफ अपनी मुहिम चलाते हुए जहां चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है। मगर पुलिस की इस मुहिम मात्र छोटे दो पाहिया वाहनों तक ही सीमित रहने के कारण चर्चा का विषय बनी हुई है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस स्थिति में सड़कों पर आटों सहित अन्य वाहनों में ओवर लोड़गि हो रही है उसे पुलिस द्वारा नजर अदांज किया जाना पुलिस की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करते हुए जान पड़ रही है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय पुलिस द्वारा इस तरह वाहन मालिकों की मनमानी को नजर अंदाज किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि इस समय क्षेत्र के सड़कों पर दौड़ रहे अनेक यात्री वाहनों में ओवर लोडिंग का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो आटों से लेकर मैजिक गाड़ियों में इस स्थिति में ओवर लोडिंग चल रही है जिसके चलते यात्रियों की जान पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है तो दूसरी यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ते हुये देखी जा रही है? इस प्रकार से ओवर लोडिंग के चलते ग्रामीण जन इन वाहनों में अपनी जान को हथेली पर रखकर यात्रा करते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से सड़कों पर दौड़ रहे जर्जर व ओवर लोडिंग यात्री वाहन मौत के ताबूत बने हुए हैं। मगर इसके बाद भी यातायात विभाग, ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग कोई कार्यवाही करने के लिए तैयार नजर नही आ रहा है। नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों में इन दिनों यात्रियों को बड़ी बसों की कमी की वजह से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वहीं वाहनों की कमी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। इस कारण से सैंकड़ों ग्रामीण रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर आना-जाना करते हैं। यह बात अलग है कि वर्तमान सूर्य की तेज तपन के दौरान लोगों की आवाजाही कम देखने मिल रही है। मगर इसके बाद भी जो वाहन सड़कों पर दौड़ रहे है उनमें खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी होना आम बात बनी हुई है? यदि विगत वर्षो की घटनाओं पर गौर किया जावे तो इस प्रकार की स्थिति में अनेक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद भी उन पर अंकुश लगाते हुए नही देखा जा रहा है जिसके चलते वाहन चालकों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है। इस प्रकार से पुलिस की चालानी कार्यवाही बाइकों तक सीमित होना पुलिस की कार्य प्रणाली को संदेह के घेरे में खड़ा करते हुए जान पड़ रही है।

इस तरह की लाईनों से यदि कोई घटना घटित होती है तो कौन होगा जिम्मेदार...?

हरिभूमि न्यूज/ सड़ूमर। जहां एक ओर आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में किसानों सहित अन्य उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल अदा नही किये जाने के नाम पर जिस प्रकार से बसूली करते हुए उन्हें अपमानित करते हुए जबरन घरों में रखे हुए समान की जप्ती तो की जाती है। मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरीके से बिजली विभाग द्वारा बिल बसूरी का तरीका अपनाया जाता है क्या उस तरीके से लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के साथ साथ उन्हें बिजली तारों से होने वाली घटनाओं की क्षति का सहयोग प्राप्त किया जाता है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवो के साथ साथ किसानों के खेतों में बिजली सप्लाई हेतु जो बिजली लाईने खीची गई है उनका वर्षो से सुधार कार्य नही किये जाने तथा उनका रख रखाब नही होने के कारण जहां तारों ने झूला का रूप धारण कर लिया गया है और आये दिन देखा जाता है कि जब हवा चलती है तो यह झूलते हुए तार एक दूसरे से टकरा जाने के कारण चिंगारी छोडते है जिसके चलते जहां गांवों में किसी बड़ी घटना घटित होने की आंशका बनी रहती है? वही दूसरी ओर अनेको बार तो देखा जाता है कि किसानों के खेतो से निकली हुई बिजली लाईनों से निकलने वाली चिंगारी के चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले भी जलकर खाक होने से नही बच पाती है। इस स्थिति में शायद ही बिजली विभाग द्वारा किसी किसान को आज तक कोई सहयोग के रूप में राशि उपलब्ध कराई गई हो? मगर सिर्फ किसान द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली बिलों की बसूली के नाम पर जरूर किसानों को परेशान किया जाता रहता है, इतना ही नही गांवों में निकली हुई बिजली लाईन की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि आये दिन उसमें चिंगारी देखने मिलती, मगर इस ओर न तो बिजली विभाग ध्यान देता है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिसके चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ने के साथ साथ क्षेत्र के किसानों को हर वर्ष भारी क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है।

खबर संक्षेप

मानिकपुर मंडल भाजपा की मासिक बैठक संपन्न

शहपुरा . भारतीय जनता पार्टी मंडल मानिकपुर की मासिक बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती एवं आगामी गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से मंडल क्षेत्र के शक्ति केंद्रों एवं बूथों के सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। बैठक में शहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ओमप्रकाश धुर्वे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की रीढ़ माने जाने वाले बूथ एवं शक्ति केंद्रों को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने पर जोर दिया। विधायक ने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत है और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा मिलती है।इस दौरान मंडल महामंत्री राजेंद्र तिवारी सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस बैठक में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया गया।बैठक का समापन संगठन की मजबूती एवं जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के संकल्प के साथ किया गया।

बारिश से पहले निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान कलेक्टर ने जल संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यों में और तेजी लाई जाएए ताकि जिला प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अग्रणी स्थान प्राप्त कर सके।

योजनाओं के लक्ष्यों को समय पर पूरा करें: कलेक्टर

डिंडौरी। जिले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने की। उन्होंने विभागीय अधिकारियोंए पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर निर्धारित लक्ष्यों को समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में एफएमडीसीपी टीकाकरण अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान क्षीर धारा ग्राम योजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देनेए दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से पशु स्वास्थ्य शिविरए कृत्रिम गर्भाधानए पशु टैगिंगए बधियाकरणए चारा प्रबंधनए निराश्रित पशु प्रबंधन एवं दुग्ध विपणन संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि क्षीर धारा ग्राम योजना तथा कृत्रिम गर्भाधान से संबंधित सभी ऑनलाइन प्रविष्टियां 30 जून से पहले पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रतिदिन अधिकाधिक प्रविष्टियां दर्ज कर 20 जून तक निर्धारित लक्ष्य हासिल करने को कहा। बैठक में बताया गया कि जिले की 70 पंचायतों में क्षीर धारा ग्राम योजना संचालित है तथा चयनित 28 गांवों में अब तक 60 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री धन.धान्य योजना एवं टंट्या मामा योजना के लक्ष्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी योजनाओं के लक्ष्यों को निर्धारित समय.सीमा से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।उन्होंने प्रत्येक मंगलवार को ग्राम स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा नियमित फील्ड भ्रमण कर योजनाओं की निगरानी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित एवं आवारा पशुओं की समस्या पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने ऐसे पशुओं को गौशालाओं में सुरक्षित रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उनके गले में रेडियम पट्टियां लगाने के निर्देश दिए।

पल्स पोलियो टीकाकरण और टीबी मुक्त अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

डिंडौरी।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गईए जिसमें विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और अभियानों की प्रगति का मूल्यांकन किया गया।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरीए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण मनोज पाण्डेय सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में 1 अप्रैल 2025 से 31 मई 2026 तक संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। एएनसी पंजीयनए गंभीर एनीमिया प्रबंधनए नियमित टीकाकरणए पोषण पुनर्वास केंद्रए आयुष्मान कार्डए गृह आधारित शिशु देखभालए सिकल सेल एनीमिया जांच एवं उपचार तथा टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं की शत.प्रतिशत पोर्टल एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

28 जून को चलेगा पल्स पोलियो अभियान

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 28 जून को पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 86 हजार 224 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले दिन बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगीए जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्य दल घर.घर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक देंगे। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है।हेडकाउंट सर्वे के माध्यम से टीकाकरण से वंचित बच्चों की पहचान की जा रही है। सर्वे के आधार पर तैयार ड्यू.लिस्ट के अनुसार 8 से 19 जून तक विशेष टीकाकरण कैच.अप अभियान चलाया जाएगाए जिससे सभी बच्चों का पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। मिशन एड्स सुरक्षा अभियान के तहत स्वास्थ्य केंद्रों में एचआईवी एवं हेपेटाइटिस.बी की जांच बढ़ाने के निर्देश दिए गए। संक्रमित मरीजों का समयबद्ध पंजीयन और उपचार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।कलेक्टर ने आगामी 15 दिनों के भीतर उच्च जोखिम वाले गांवों में विशेष शिविर आयोजित कर संभावित टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर पहचान और उपचार से टीबी नियंत्रण अभियान को गति मिलेगी।

19 जून को मनाया जाएगा विश्व सिकल सेल दिवस

बैठक में 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिले के सभी विकासखंडों में सिकल सेल स्क्रीनिंग शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। शिविरों में अधिक से अधिक लोगों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं और जनकल्याणकारी अभियानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

ई.टोकन प्रणाली से किसानों को समय पर मिल रहा उर्वरक, जिले में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

डिंडौरी।

जिले के किसानों को उर्वरक की समयबद्ध एवं पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ई.टोकन प्रणाली के माध्यम से वितरण कार्य सुचारू रूप से जारी है। कृषि विभाग की निगरानी में संचालित इस व्यवस्था से किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत आसानी से उर्वरक प्राप्त हो रहा है।ई.टोकन डैशबोर्ड के अनुसार जिले में अब तक 13 हजार 745 किसानों का पंजीयन किया जा चुका हैए जबकि 62 उर्वरक विक्रेता इस प्रणाली से जुड़े हैं। जिले में वर्तमान में 5863ण्575 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण उपलब्ध हैए जिसमें से 2469ण्460 मीट्रिक टन उर्वरक किसानों को वितरित किया जा चुका है। इसके बाद भी जिले में 3393ण्870 मीट्रिक टन उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। शनिवार को 13ण्490 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया गया। विभागीय आंकड़ों के अनुसार ई.टोकन प्रणाली के तहत अब तक 9692 टोकन जारी किए गए हैंए जिनमें से 6921 किसानों ने उर्वरक प्राप्त कर लिया है। कृषि विभाग द्वारा वितरण व्यवस्था एवं स्टॉक की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके।उप संचालक कृषिए डिंडौरी ने बताया कि जिले में उर्वरक की किसी प्रकार की कमी नहीं है। किसानों से अपील की गई है कि वे ई.टोकन प्राप्त कर अपने निकटतम अधिकृत विक्रेता अथवा संबंधित सहकारी समिति से उर्वरक प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि उर्वरक वितरण एवं उपलब्ध स्टॉक की नियमित समीक्षा की जा रही हैए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जनसमस्याओं के बीच वार्डों का निरीक्षण विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

डिंडौरी।

जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं नगर परिषद अध्यक्ष के मार्गदर्शन में प्रभारी मुख्य नगर परिषद अधिकारी आशीष कोरी ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर विकास कार्योंए मूलभूत सुविधाओं तथा स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 10 में पेयजल व्यवस्था का परीक्षण किया गया तथा समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं वार्ड क्रमांक 9 में जर्जर एवं जोखिमपूर्ण भवनों का निरीक्षण कर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कदम उठाने के निर्देश संबंधित अमले को दिए गए। इसके अलावा सड़क पुनर्स्थापन कार्यों और मानकविहीन स्पीड ब्रेकरों की भी समीक्षा की गई। वार्ड क्रमांक 8 में चल रहे सड़क पुनर्स्थापन कार्य का निरीक्षण करते हुए आशीष कोरी ने तकनीकी टीम के साथ निर्माण गुणवत्ता का परीक्षण किया। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्धारित समय.सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट नगर परिषद कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।भ्रमण के दौरान प्रभारी मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने नगरवासियों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित नगर का निर्माण सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने खाली प्लॉट मालिकों से अपने भूखंडों को ग्रीन नेट अथवा अन्य उपयुक्त साधनों से सुरक्षित ढंकनेए नियमित सफाई बनाए रखने और गंदगी फैलने से रोकने का आग्रह किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड प्रभारीए उपयंत्रीए पार्षद रितेश जैनए अधिवक्ता सम्यक जैन सहित नगर परिषद के अधिकारी.कर्मचारी और बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। नागरिकों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से प्रशासन को अवगत करायाए जिनके निराकरण के लिए मौके पर ही आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए।आशीष कोरी ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहींए बल्कि उनकी गुणवत्ताए पारदर्शिता और नागरिक संतुष्टि सुनिश्चित करना भी है। नगर के समग्र विकास और जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए नियमित निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वन विभाग परिसर में हुआ पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मेहंदवानी।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग परिसरए मेहंदवानी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियोंए स्थानीय पत्रकारों तथा जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षों का संरक्षण और संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ.साथ पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष शुद्ध वायु प्रदान करने के साथ ही जल संरक्षणए जैव विविधता के संवर्धन और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए समाज के सभी वर्गों से प्रकृति संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से हरित भविष्य के निर्माण और पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

कौशल विकास से सशक्त हुईं महिलाएंए प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

डिंडौरी। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ;आरसेटीद्ध डिंडौरी में आयोजित महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन अवसर पर प्रशिक्षु महिलाओं ने प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशलए हुनर और आत्मविश्वास का प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया।कार्यक्रम में आजीविका मिशन के भगत सिंह आर्मोए अग्रणी जिला प्रबंधक ;एलडीएमद्ध रविशंकरए संस्थान की फैकल्टी दीपिका सिंगोरए कार्यालय सहायक हंसराज तथा अटेंडर राम प्रसाद उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वरोजगार के क्षेत्र में सफलता की शुभकामनाएं दीं।अतिथियों ने कहा कि कौशल विकास आधारित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ.साथ आर्थिक रूप से सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और वे आत्मविश्वास के साथ अपने व्यवसाय की शुरुआत कर सकेंगी।संस्थान द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के कौशल विकासए आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है।

जोगी टिकरिया के पास संत की कुटिया में भीषण आग

शहपुरा

डिंडोरी जिला मुख्यालय से महज छह किलोमीटर दूर ग्राम जोगी टिकरिया स्थित बाल हनुमान मंदिर के पास उस समय हड़कंप मच गयाए जब संत पवन दास त्यागी महाराज की कुटिया में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते पूरी कुटिया उसकी चपेट में आ गई और धुएं तथा आग की ऊंची लपटें दूर.दूर तक दिखाई देने लगीं।जानकारी के अनुसार घटना के समय पवन दास त्यागी महाराज कुटिया से लगभग एक किलोमीटर दूर चाय पीने गए हुए थे। कुटिया में कोई मौजूद नहीं थाए जिसके कारण आग लगने की जानकारी देर से मिल सकी। प्रत्यक्षदर्शियों ने धधकती आग देखकर तत्काल ग्राम जोगी टिकरिया पहुंचकर महाराज को सूचना दी। इसी दौरान मुख्य मार्ग से गुजर रहे कुछ पत्रकारों की नजर कुटिया से उठती आग की लपटों पर पड़ी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर आसपास रखे पानी से भरे डिब्बों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया और राहत कार्य में जुट गए।घटना की सूचना तत्काल डायल.112 और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित अमला मौके पर पहुंचा। आगजनी की इस घटना में कुटिया में रखा फर्नीचरए धार्मिक सामग्रीए दैनिक उपयोग का सामान तथा अन्य वस्तुएं सहित नगदी जलकर राख हो गईं।

हल्की बारिश में डूबा मुख्य मार्ग, जलभराव ने खोली नगर परिषद की तैयारियों की पोल

शहपुरा।

मानसून की दस्तक से पहले ही शहपुरा नगर में जल निकासी व्यवस्था की खामियां उजागर होने लगी हैं। शनिवार को हुई हल्की बारिश के बाद नगर के मुख्य मार्ग पर बैंक ऑफ इंडिया के सामने सड़क पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गईए जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।बारिश के बाद सड़क पर जमा पानी के कारण पूरा क्षेत्र तालाब जैसा दिखाई देने लगा। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से आवागमन प्रभावित हुआ और कई दोपहिया वाहन चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय व्यापारियों को भी जलभराव के कारण परेशानी झेलनी पड़ी।

नगरवासियों का आरोप है कि डिवाइडर निर्माण के दौरान जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गईए जिसके चलते हर वर्ष बारिश में इस स्थान पर पानी भर जाता है। उनका कहना है कि अभी केवल हल्की बारिश में यह स्थिति बनी हैए जबकि मानसून के दौरान लगातार वर्षा होने पर हालात और गंभीर हो सकते हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक शिकायतें की जा चुकी हैंए लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। इससे नागरिकों में नगर परिषद के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।नगरवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई और समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गयाए तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।हल्की बारिश में ही मुख्य मार्ग पर हुए जलभराव ने नगर परिषद की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

10

जबलपुर, रविवार 7 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

पानी में भीगा किसानों का अनाज, मंडी के शेड पर व्यापारियों का कब्जा

कृषि उपज मंडी प्रशासन की व्यवस्थाओं की खुली पोल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

किसानों की सुविधा के लिए बनाई गई कृषि उपज मंडी परेशानी का सबब बनता जा रहा है। किसानों को सुविधा के नाम पर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। वही कृषि उपज मंडी के शेडों पर व्यापारियों द्वारा अंगद के पैर की तरह कब्जा जमाया हुआ है जिससे किसानों को धूप सहन करनी पड़ रही है और शरिवार की दोपहर किसानों पर इंद्र देव ने भी अपनी कला दिखा दी। शनिवार की दोपहर को हुई बारिश मे किसानों की फसल भीगती रही और मंडी प्रशासन व व्यापारी देखते रहे। किसानों के खून पसीने की कमाई का किसी को कोई तरस नही आया। पहली बार हुई चंद मिनटों की बारिश ने कृषि उपज मंडी प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी। बारिश का सीधा असर किसानों की जेब पर पड़ा।

मामला इस प्रकार

कृषि उपज मंडी मे प्रशासन की लापरवाही का नतीजा सर चढ़ कर बोल रहा है। शनिवार को पहली बारिश ने दस्तक दी और मंडी प्रशासन की व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया। शनिवार की दोपहर चंद मिनटों के लिए बारिश हुई और उस बारिश मे किसानों की फसल भीग गई। ज्ञात हो कि मंडी प्रशासन द्वारा किसानों की धूप व

बारिश से बचने के लिए बनाए गए शेडों पर व्यापारियों का कब्जा बरकरार है जिससे किसानों को खुले में अपनी उपज रखने को मजबूर होना पड़ रहा है। किसान धूप मे खड़े होकर अपनी फसल को बेच रहा था तभी दोपहर के समय तेजी के साथ बारिश आई और अनाज को भिगो दिया। जिससे व्यापारियों द्वारा अनाज को कम दाम पर बोली लगाई गई। जबकि यह वही व्यापारी है जिनके कब्जे के कारण किसान खुले मे बोली लगावने के लिए मजबूर है।

शेडों पर व्यापारियों का कब्जा

कृषि उपज मंडी में इन दिनों अव्यवस्थाएं

हरिभूमि

अव्यवस्था का शिकार हो रही कृषि उपज मंडी

किसानों पर भारी पड़ रही हैं। बम्पर आवक के बीच मंडी परिसर के शेड व्यापारियों के खरीदे हुए अनाज से भरे पड़े हैं, जबकि किसान कड़ी धूप में खुले आसमान के नीचे अपनी उपज रखकर बोली लगने का इंतजार करने को मजबूर हैं। मंडी प्रबंधन की ढिलाई के चलते किसानों के लिए बनाई गई सुविधाएं अब व्यापारियों के भंडारण स्थल में बदलती नजर आ रही हैं। मंडी में खरीदी के बाद व्यापारियों द्वारा बड़ी मात्रा में अनाज शेडों में ही जमा रखा जा रहा है। नियमों के अनुसार खरीदा गया अनाज तय समय में गोदाम तक पहुंचाया जाना चाहिए, लेकिन परिवहन खर्च बचाने कई व्यापारी अनाज मंडी परिसर में ही रोक रहे हैं। मंडी प्रबंधन इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रहा है, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। मंडी परिसर में खुले आसमान के नीचे कई किसानों को उपज

के ढेर लगाने पड़े, वारिश व धूप में तपते हुए बोली का इंतजार करना पड़ रहा है।

मंडी प्रबंधन की उदासीनता का दंश झेल रहे किसान

किसानों की समस्याओं को लेकर मंडी प्रशासन द्वारा उदासीनता दिखाई जा रही है। जिस कारण से किसानों की समस्याएं कम होने के नाम नहीं ले रही है। का कहना है कि मंडी में यह स्थिति नई नहीं है। हर साल आवक बढ़ने पर शेडों में व्यापारियों का अनाज जमा हो जाता है, लेकिन मंडी प्रबंधन समय रहते कार्रवाई नहीं करता। यदि खरीदे गए अनाज को तय समय सीमा में गोदाम भेजने की व्यवस्था लागू की जाए तो किसानों को खुले में उपज रखने की नौबत नहीं आए। किसानों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन की लापरवाही का खामियाजा सीधे अन्नदाता

को भुगतना पड़ रहा है। सीजन में कई बार तो उठाव में देरी से मंडी बंद करने की नौबत तक बनती है जिसका नुकसान सीधे तौर पर किसानों और शासन को होता है। मंडी प्रशासन को चाहिए की किसानों के हित में ठोस कार्रवाई करते हुए शीघ्र शेड को खाली कराया जावे जिससे किसानों को छाव मे फसल बेचने की सुविधा मिल सके।

इनका कहना है

शेड खाली क्यों नही किए गए इसकी जांच कराती हूं। मंडी सचिव को व्यापारियों का माल उठाने के लिए निर्देश दिए जा चुके है तथा अधिकारियों द्वारा मंडी का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है।

श्रीमती रजनी सिंह, कलेक्टर

उक्त संबंध में आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है मैं जिला प्रशासन से चर्चा करता हूं किसानों को सरकार की सभी सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए।

रामस्नेही पाठक, जिलाध्यक्ष भाजपा

उक्त संबंध में आपके द्वारा जानकारी मिली है। मैं मंडी प्रशासन एवं जिला से बात करूगां किसानों कृषि उपज मंडी में पूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

रामकुमार गुमास्ता, अध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा

मंडी मे व्यापारियों की मनमानी जारी है जिसके चलते किसान रोड पर व खुले में अनाज की बोली लगवाने के लिए मजबूर है। जिसका ही नतीजा है कि बारिश में किसानों का अनाज भीग गया जिससे किसानों को आर्थिक क्षति सहन करनी पड़ी। प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

ऋषिराज पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष राकिम महासंघ

जंगली भैंसों की आमद दहशत में ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस वन परिक्षेत्र करेली के शाहपुर गांव में जंगली भैंसों की आमद ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी। सुबह से ही गांव के आसपास गन्ने के खेतों में कई जंगली भैंसों के दिखाई देने की खबर फैलते ही लोगों में दहशत का माहौल बन गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण खेतों और रास्तों की ओर पहुंच गए,

लेकिन वन विभाग ने लोगों को भैंसों के करीब जाने से रोकते हुए सावधानी बरतने की समझाइश दी। ग्रामीणों के अनुसार जंगली भैंसे खेतों में घूमने के साथ रिहायशी क्षेत्र के नजदीक भी नजर आए। इससे बच्चों और किसानों में खासा भय बना रहा। कई किसानों ने खेतों की ओर जाना टाल दिया, जबकि महिलाएं और बुजुर्ग भी घरों के बाहर निकलने से बचते रहे। गांव में दिनभर इसी घटना की चर्चा होती रही। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। वन अमले ने जंगली भैंसों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए गांव में ही डेरा डाल दिया है। टीम लगातार यह प्रयास कर रही है कि भैंसों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर भेजा जा सके। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति जंगली भैंसों को उकसाने या उनके नजदीक जाने की कोशिश न करें। साथ ही बच्चों को अकेले खेतों की ओर न भेजने की सलाह भी दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और वन विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बरहटा हुआ पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक वृक्षारोपण अभियान व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार और औषधीय पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने में पेड़ों की भूमिका समझाना और छात्रों में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।इस दौरान स्कूल के शिक्षक तरुवर पटेल, शरद गुप्ता, राजेश सिगोतिय, रोहित पटेल, सरिता कोरी, दीपचंद मुड़िया और विद्यालई छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया।

गाय को राष्ट्रमाता बनाने की मांग मुस्लिम परिषद ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस मुस्लिम परिषद द्वारा राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रहित में गाय को राष्ट्र माता घोषित कर निराश्रित गोवंश के लिए कानून बनाया जाए। सनातन धर्म में गाय को केवल एक पशु नहीं माना जाता था बल्कि उसे पोषण, करुणा और समृद्ध का प्रतीक माना जाता है, कई हिंदू ग्रंथों में इसे पवित्र माना गया है सनातन धर्म के एक बहुत वर्ग में गाय सम्मान व श्रद्धा का विषय माना जाता है। मुस्लिम विकास परिषद भारत सरकार से मांग की है कि गौ वंश प्रतीक गाय को राष्ट्रहित में राष्ट्र माता घोषित करते हुए सशक्त गौ वंश संरक्षण का कानून पारित करे। कमजोर व बूढ़ी गायों की क्रय विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगे तथा दोनों पर कानूनी कार्यवाही हो और मृत्यु पश्चात गाय का अन्तिम संस्कार सनातन धर्मानुसार विधि विधान से किया जाए। गाय संरक्षण के नाम पर बनाए गए सभी गौ रक्षा दलों पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाय व इसकी आड़ में हो रही गौ तस्करी को न केवल सख्ती से रोका जाय बल्कि उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाए। गौ वंश मांस (गाय, बैल) के निर्यात पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाय, कानून का उल्लंघन करने वाले निर्यातकों के

लायसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाएं। गौ शालाओं के लिए विशेष संरक्षण सहायता एवं पारदर्शी व्यवस्था की जाए तथा गौ आधारित उत्पादों एवं जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जैविक खाद पंचगव्य उत्पादों को प्रोत्साहित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जाए। भारत सरकार द्वारा प्रचार, प्रसार तंत्र के माध्यम से सभी धर्म एवं समुदायों के बीच आपसी सम्मान बनाए रखते हुए गौ संरक्षण के लिए जागरूक अभियान चलाया जाए। उक्त ज्ञापन में बड़ी संख्या मे परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कलापथक दल द्वारा "नशा मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत देवरी में नशा मुक्ति से संबंधित संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

पेयजल संकट के बीच सप्लाई करने वाले आपरेटर की मनमानी, शिकायतों के बाबजूद नहीं हो रहा सुधार

तेंदूखेड़ा। इन दिनों चांवरपाठा विकासखंड में पेयजल आपूर्ति को लेकर लगभग हर गांव में समस्या बनीं हुई है। और ठेकेदारों की मनमानी का दंश ग्रामीण भुगत रहे हैं।ऐसा ही एक और मामला सामने आया है जहां पानी सप्लाई की व्यवस्था देख रहे आपरेटर की मनमानी के चलते पानी सप्लाई में भेदभाव किया जा रहा है। आपरेटर स्वयं की व्यवस्था में ज्यादा और शेष व्यवस्था में ग्रामीणों को दो दिन में एक बार पानी दे रहा है। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम पंचायत भौंरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिचुआ में ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति में अनियमितता और भेदभाव का आरोप लगाते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में हर घर नल योजना के तहत 5 - 5 हजार लीटर क्षमता की दो पानी की टंकियां रखी गई हैं।जिनके माध्यम से घर घर जलापूर्ति की जाती है।ग्रामीणों के अनुसार जल प्रदाय व्यवस्था का संचालन करने वाले ऑपरेटर द्वारा एक टंकी से अलग पाइपलाइन रोल लगाकर निजी उपयोग के लिए 24 घंटे पानी लिया जा रहा है। जबकि दूसरी टंकी से गांव के लोगों को मात्र दो दिन में एक बार लगभग आधे घंटे के लिए ही पानी उपलब्ध कराया जाता है। इससे ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में ग्राम सचिव सरपंच तथा एस डी एम कार्यालय तेंदूखेड़ा और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई गई। और शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की गई लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थिति अभी भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए तथा गांव में नियमित और समान रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

एक ही दिन में दो मोटर साइकिल एक ही व्यक्ति के द्वारा चोरी, कैमरे में कैद

तेंदूखेड़ा विगत दिवस साप्ताहिक बाजार से दो अलग-अलग दो लोगों की मोटरसाइकिलें चोरी हुई।जिसकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरों की मदद से जब फुटेज खंगालें गये तो उनमें एक ही व्यक्ति का हुलिया अलग अलग मोटरसाइकिल ले जाते हुए नजर आ रहा है। हालांकि कैमरों की गुणवत्ता सही नहीं होने के चलते चेहरे स्पष्ट नजर नहीं आ रहें हैं इसलिए चोर को पकड़ने और पहुंच तक जाने में मदद नहीं मिल पा रही है। चूंकि मोटरसाइकिलें चोरी जाने की यह कोई पहली घटना नहीं है यहां से तो कारें भी चोरी जातीं रहीं हैं।

चालक नहीं देते ध्यान

चोरी जाने के पीछे सबसे बड़ा एक और यह कारण सामने आया है कि साप्ताहिक बाजार के दिन बाहर ग्रामीण क्षेत्रों से लोग बाजार करने के उद्देश्य से आते हैं और मन चाहे ढंग से कहीं भी मोटरसाइकिल को लाक किये ही बगैर रखकर चले जाते हैं।नगर में पार्किंग व्यवस्था है नहीं जिसका फायदा शातिर बदमाश चोर उठा ले जाते हैं।बाद में चालक हाथ मलते हुए रह जाते हैं।

सीसीटीवी कैमरे केवल शोभा की सुपारी

नगर में लगे सीसीटीवी कैमरे केवल शोभा की सुपारी बनें हुए हैं।इनकी गुणवत्ता और क्वालिटी इतनी घटिया है कि आज तक इन कैमरों से चेहरा स्पष्ट समझ नहीं आ पाता है।कुछ कैमरें तो आज भी बंद पड़े हुए हैं।नगर में होने वाली चोरियों के समय संपूर्ण नगर में क्वालिटी युक्त कैमरें लगाने बैठकें और मदद की चर्चाएं हुआ करती है लेकिन क्वालिटी पर आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया। पिछले दिनों तेंदूखेड़ा के हनुमान मंदिर से मुकुट छत्र चोरी हो जाने जैन मंदिर में ताले तोड़ने वाले फुटेज निकाले गए थे लेकिन उनमें भी यही स्थिति रही थी।

भारत विकास परिषद् की पर्यावरण गोष्ठी, प्रकृति संरक्षण के संदेश

तेंदूखेड़ा। विश्वव पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद के द्वारा एक दिवसीय पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण संरक्षण वृक्षारोपण और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।इस मौके पर योगदान सेवा समिति के अविनाश जैन परिषद के सेवा प्रमुख पूनम मिश्रा संरक्षक रजनीश जैन संगठन मंत्री सचिन गुप्ता अध्यक्ष अमित खरे सचिव पुरुषोत्तम बसेड़िया तथा यशवंत खेरोनिया त्रिलोक जैन इंजी आशुतोष मोदी एड गगन अग्रवाल सुरेंद्र पटेल शिवकुमार पाटकर शोभाराम विश्वकर्मा तथा गुरुकुल विद्यालय के संचालक रत्नेश बाजपेई की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। सरस्वती पूजन स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपस्थित वक्ताओं ने पर्यावरण के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। तथा सभी सदस्यों ने पर्यावरण को बचाने के लिए अपने अपने सुझाव रखे। यदि हम आज सजग नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।संचालन सचिव पुरुषोत्तम बसेडिया द्वारा आभार अध्यक्ष अमित खरे ने व्यक्त किया।

पुरुषोत्तमी सोमवती अमावस्या 15 जून को पीपल पूजन और 108 परिक्रमा का विशेष महत्व

गोटेगांव। पुरुषोत्तम मास के समापन के साथ इस वर्ष 15 जून, सोमवार को दुर्लभ संयोग में पुरुषोत्तमी सोमवती अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा। सनातन धर्म में सोमवती अमावस्या को अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु एवं पीपल (अश्वत्थ) वृक्ष की पूजा-अर्चना, परिक्रमा, स्नान, दान तथा जप-तप करने से विशेष पुण्यफल प्राप्त होता है।परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर के आचार्य पंडित सोहन शास्त्री ने बताया कि सोमवती अमावस्या पर सौभाग्यवती महिलाएं पीपल वृक्ष की जड़ में भगवान विष्णु का निवास मानकर विधिवत पूजन करती हैं तथा वैदिक मंत्रों के जाप के साथ पीपल की 108 परिक्रमा कर अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं।उन्होंने बताया कि शास्त्रों के अनुसार सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दिन मौन रहकर ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करने से हजार गोदान के समान पुण्यफल प्राप्त होने का उल्लेख मिलता है। वहीं स्नान, दान और श्राद्ध का

फल अक्षय माना गया है।पीपल पूजन का विधानआचार्य शास्त्री के अनुसार श्रद्धालुओं को पीपल वृक्ष के नीचे भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत षोडशोपचार पूजन करना चाहिए। इसके बाद पीपल की जड़ में जल अर्पित कर रक्षा सूत्र बांधते हुए 108 परिक्रमा करनी चाहिए। परिक्रमा के दौरान फल, पुष्प अथवा अन्य पूजन सामग्री हाथ में रखना शुभ माना गया है।पूजन के समय श्रद्धालु यह भावना रखें कि पीपल के मूल में ब्रह्मा, मध्य भाग में भगवान विष्णु तथा अग्रभाग में भगवान शिव का निवास है। इसी स्वरूप में वृक्ष की आराधना करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है।दुर्लभ संयोग से बढ़ा महत्वआचार्य शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष 15 जून को पुरुषोत्तम मास का समापन भी हो रहा है। ऐसे में पुरुषोत्तम मास और सोमवती अमावस्या का संयोग इस पर्व के महत्व को और अधिक बढ़ा रहा है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इसी दिन मिथुन संक्रांति का प्रभाव भी रहेगा तथा मानसून पूर्व वर्षा के योग बन रहे हैं।शास्त्रों में बताया गया विशेष महत्वधर्मग्रंथों में वर्णित है कि जहां सोमवती अमावस्या का योग होता है, वहां सभी तीर्थों का वास माना जाता है। महाभारत और धर्मसिंधु ग्रंथ के अनुसार इस दिन किया गया स्नान, दान, जप, तप और श्राद्ध अक्षय फल प्रदान करता है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से पापों का नाश होता है तथा परिवार में सुख, समृद्धि और संतान वृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।उद्यापन का भी है विधानआचार्य शास्त्री ने बताया कि व्रत पूर्ण होने पर उद्यापन करना भी महत्वपूर्ण माना गया है। इसके अंतर्गत भगवान विष्णु एवं अश्वत्थ वृक्ष का विशेष पूजन, हवन, ब्राह्मण सत्कार, दक्षिणा एवं अन्नदान का विधान बताया गया है। श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार दान-पुण्य करने से व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल

गोटेगांव। विगत दिवस पुराना बस स्टैंड में श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। कथावाचक अभिषेक दीक्षित महाराज ने बताया रुक्मिणी विवाह भागवत कथा श्रीमद्भागवत पुराण का एक महत्वपूर्ण प्रसंग है, जिसमें विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी, जो श्रीकृष्ण को मन ही मन अपना पति मान चुकी थीं, का विवाह शिशुपाल से तय होने पर उन्होंने श्रीकृष्ण को पत्र भेजा और श्रीकृष्ण ने उन्हें अगवा कर (भगाकर) द्वारका ले जाकर विधिपूर्वक विवाह किया; यह कथा भक्ति, प्रेम, और दैवीय मिलन को दर्शाती है, जिसे कथावाचक भावुकता और झाँकियों के साथ सुनाते हैं. कथा के मुख्य बिंदुरुक्मिणी का प्रेमः विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी, श्रीकृष्ण के रूप-गुणों से मोहित थीं और उन्हें ही पति रूप में स्वीकार किया था.भाई का विरोधः

रुक्मिणी के भाई रुक्मी, श्रीकृष्ण से शत्रुता रखते थे और उन्होंने रुक्मिणी का विवाह श्रीकृष्ण के शत्रु शिशुपाल से तय कर दिया.रुक्मिणी का संदेशः रुक्मिणी ने अपनी सखी के माध्यम से श्रीकृष्ण को पत्र भेजकर, उनसे आकर उन्हें बचाने और विवाह करने का आग्रह किया. उन्होंने श्रीकृष्ण के छह गुणों (धर्म, ऐश्वर्य, यश, श्री, ज्ञान, वैराग्य) की प्रशंसा की.श्रीकृष्ण का आगमनः श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी का प्रेम स्वीकार किया और विवाह के दिन, जब रुक्मिणी मंदिर जा रही थीं, तब उन्हें बलपूर्वक हरण कर द्वारका ले गए.विवाह और उत्सवः श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी से विवाह किया, जिससे सभी राजा निराश हुए. द्वारका में इस विवाह का भव्य उत्सव मनाया गया और देवताओं ने पुष्प वर्षा की. कथा के दौरान भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओ ने जयकारो के साथ कथा का आनंद लिया। श्रद्धालुओ की उपस्थिति रही। कथा के अंत में आरती कर सभी के कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की गई।

शंकराचार्य नेत्रालय झोतेश्वर 13वां स्थापना दिवस मनाएगा

झोतेश्वर (नरसिंहपुर)। स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित शंकराचार्य नेत्रालय 7 जून को अपना 13वां स्थापना दिवस मनाएगा। वर्ष 2013 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी एवं स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती द्वारा लोकार्पित इस नेत्रालय में अब तक 1.30 लाख से अधिक नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा चुके हैं।नेत्रालय में मरीजों को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दवा, भोजन तथा चश्मा उपलब्ध कराया जाता है। संस्था द्वारा ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में नियमित नेत्र परीक्षण शिविर भी आयोजित किए जाते हैं। स्थापना दिवस पर नेत्रालय परिवार ने जनसेवा के इस अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया